स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

## होमी जहांगीर भाभा

चित्र:रूपा गुहा

होमी जहांगीर भाभा प्रसिद्ध भौतिक शास्त्री थे। भाभा ने भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्हें भारतीय परमाणु कार्यक्रम का जनक माना जाता है।

होमी भाभा का जन्म 30 अक्टूबर 1909 को मुम्बई में एक सम्पन्न और शिक्षित पारसी परिवार में हुआ। भाभा ने बाम्बे केथेड्रल ग्रामर स्कूल पास कर एल्डिस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। यहां से निकलकर वे पहले रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस और उसके बाद 1927 में से केअस कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में मेकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया। भाभा के पिता और दोराबजी टाटा चाहते थे कि होमी एक इंजीनियर के तौर पर टाटा आयरन एवं स्टील कंपनी से जुड़ जाएं लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने अपने पिता को भौतिकी से अपने जुड़ाव और इसके लिए ही काम करने की इच्छा से अवगत करा दिया था। इंजीनियरिंग के बाद सैद्धांतिक भौतिकी में डॉक्टरेट के लिए आर.एच. फॉउलर के मार्गदर्शन में काम किया। इसी समय इन्होंने कॉस्मिक किरणों के अवशोषण और इलेक्ट्रॉन वर्षा का अध्ययन किया। इस अध्ययन के दौरान कॉस्मिक किरणों की बौछार पर इनके कई शोध पत्र प्रकाशित हुए। खास तौर से इलेक्ट्रॉन-पॉज़िट्रॉन स्केटरिंग (भाभा स्केटरिंग) सम्बंधी उनका शोध पत्र काफी सराहा गया था।

द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व भाभा छुट्टियां मनाने भारत आए थे। विश्व युद्ध शुरू होने के कारण उन्होंने इंग्लैण्ड लौटने की बजाय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस, बैंगलूर में अध्यापन शुरू किया। यहां उन्होंने कास्मिक रे रिसर्च यूनिट स्थापित की। होमी भाभा ने 1945 में जेआरडी टाटा के सहयोग से टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना की। भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग की नींव भी होमी भाभा ने ही डाली। भाभा ने अंतर्राष्ट्रीय एटॉमिक एनर्जी फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साथ ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर जेनेवा में 1955 में आयोजित सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे।

जनवरी 1966 में मॉन्ट ब्लांक के समीप एक हवाई दुर्घटना में होमी भाभा की मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद इनके सम्मान में भारतीय परमाणु अनुसंधान केंद्र का नाम बदलकर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र कर दिया गया। भाभा ने इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष, रेडियो एस्ट्रोनॉमी और माइक्रो बायोलॉजी क्षेत्र में भी शोधकार्य को बढ़ावा दिया। आपके नाम पर होमी भाभा फेलोशिप 1967 से प्रदान की जा रही है। होमी भाभ सेंटर फॉर साइंस एज्युकेशन मुम्बई में शिक्षा पर कार्य कर रहा है। भाभा को 1954 में भारत सरकार ने पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी